VOL- VIII ISSUE- IV APRIL 2021 PEER REVIEW e-JOURNAL IMPACT FACTOR 7.149 ISSN 2349-638x

अमरकंटक पर्यटन स्थल : एक भौगोलिक विश्लेषण

डॉ. बी.पी. सिंह
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह स्वशासी महाविद्यालय रीवा

सुनील कुमार शुक्ला
शोध छात्र, भूगोल
अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा

सारांश–

मध्यप्रदेश राज्य के पूर्वोत्तर में स्थित अमरकंटक नगर एक पवित्र धार्मिक स्थल के साथ–साथ अपनी प्राकृतिक छटा एवं वन्य जीवों के लिए किया जाता है। अमरकंटक को सोन, नर्मदा एवं जोहिला जैसी मध्यप्रदेश की पवित्र नदियों का उद्गम स्थल होने का गौरव प्राप्त है। यहाँ का नर्मदा मंदिर, माँई की बगिया, सोनमुड़ा, नर्मदा कुण्ड, कपिल धारा, दुग्ध धारा, कबीर चबूतरा, भृगु मंडल, ज्वालेश्वर, महादेव, राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय एवं भव्य मंदिर तथा आश्रमों के आकर्षण के लिये पर्यटकों का आकर्षण केन्द्र है किन्तु आधारभूत बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण विदेशी पर्यटकों को आकर्षित नहीं कर पायें हैं।

अध्ययन क्षेत्र–

मध्यप्रदेश राज्य के पूर्वोत्तर में स्थित बघेलखंड पठार पर स्थित अमरकंटक नगर एक पवित्र एवं धार्मिक पर्यटन स्थल है। यह नगर शहडोल संभाग के अनूपपुर जिले मे स्थित है। इस नगर को नगर पंचायत का दर्जा प्रदान किया गया है। यह मध्यप्रदेश राज्य के अलौकिक प्राकृतिक विरासत का क्षेत्र है जो विन्ध्यन एवं सतपुड़ा के मिलन स्थल पर मैकाल पर्वत पर स्थित एक अलौकिक एवं सुरभ्य प्राकृतिक पर्यटन स्थल है। अमरकेटक नगर का महत्व इस दृष्टि से भी ह कि यहाँ नगर तीन महानदियों नर्मदा, सोन एवं जोहिला नदी का उद्गम स्थल है। यहाँ प्राकृतिक वैभव अनुपम सौन्दर्य को अपनी गोद में समाहित किये हुए है।

भौगोलिक स्थिति–

अमरकंटक नगर की भौगोलिक स्थिति 22. 67' उत्तरी आक्षांश एवं 81.75' पूर्वी देशान्तर पर हैं। इस नगर का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 47 वर्ग किलोमीटर है। सागर सतह से यह स्थल 1045 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। रीवा, शहडोल, अनूपपुर मुख्य मार्ग पर यह नगर स्थित हैं। यहाँ की कुल जनसंख्या 8416 है तथा जनसंख्या घनत्व 181 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हैं।

अध्ययन उद्देश्य–

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य अमरकंटक नगर में स्थित आकर्षण स्थलों का पता लगाना। पर्यटन विकास को ज्ञात करना तथा पर्यटन विकास का पर्यावरण पर प्रभाव का ज्ञात करना है। पर्यटन विकास ऐसा हो कि पर्यावरण को छति कम होने के लिए नीति निर्धारित करना है।

परिकल्पना–

प्रस्तुत शोध पत्र निम्न परिकल्पनाओं पर आधारित हैं–

1. पवित्र एवं धार्मिक पर्यटन स्थल अमरकंटक में दिन–प्रतिदिन पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हो रहा है।
2. पर्यटकों के आगमन से यहाँ का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है।

ऑकड़ों का एकत्रीकरण एवं विधि तंत्र–

प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीयक ऑकड़ों पर आधारित हैं। प्राथमिक ऑकड़ों का संकलन अध्ययन कर्ता द्वारा स्वयं उपयुक्त विधियों को अपनाकर किया गया है। द्वितीयक ऑकड़े सॉख्यिकी कार्यालय, नगर पंचायत एवं प्रकाशित

ग्रंथों व शोध द्वारा प्राप्त किये गये हैं। प्राप्त आँकड़ों का सारणीमान वर्गीकरण एवं विश्लेषण किया गया है।

पर्यटन आकर्षण–

मैकाल पर्वत पर स्थित सुरभ्य प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन स्थल अपने सुरभ्य आकर्षण के लिए न केवल मध्यप्रदेश राज्य में बल्कि सम्पूर्ण देश में विख्यात है।

अमरकंटक का पौराणिक महत्व–

अमरकंटक नगर मध्यप्रदेश राज्य नवगठित जिला अनूपपुर का एक भाग है। विन्ध्यांचल एवं सतपुड़ा पर्वत श्रंखला पर सागर सतह से 1067 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। भगवान शिव एवं उनकी पुत्री नर्मदा नदी जी की कई धार्मिक कहानियाँ प्रचलित हैं। पवित्र नर्मदा और सोन नदी के उद्गम स्थल पर स्थित अमरकंटक का इस कारण पौराणिक महत्व है। यहाँ पर 12 प्राचीन मंदिर माँ नर्मदा को समर्पित है। उन मंदिरों में प्रमुख मंदिरों नर्मदा मंदिर सबसे प्रमुख एवं प्रसिद्ध मंदिर है। यह मंदिर नर्मदा जी के उद्गम स्थल पर बना है। नागपुर स्टेट के भोसलें राजाओं द्वारा इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। बघेलखंड राज्य के राजा गुलाब सिंह द्वारा इसकी बाह्य बाउन्ड्री वॉल का निर्माण कराया गया था। यहाँ छेन्द्रनाथ पतलेश्वर मंदिर का निर्माण कलचुरि नरेशों द्वारा कराया गया था। अमरकंटक आरंभ में एक धार्मिक नगरी के रूप में विख्यात था। वर्तमान में यहाँ की प्राकृतिक छटा पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहाँ के प्रमुख पर्यटन आकर्षण के केन्द्र निम्नानुसार है–

नर्मदा मंदिर (मंदिरों का समूह)–

नर्मदा मंदिर पवित्र नर्मदा कुंड पर स्थित है, यह कुंड ही नर्मदा का उद्गम स्थल है। अमरकंटक नगर का यह प्रसिद्ध पवित्र मंदिर है। इस मंदिर के परिसर में लगभग 20 छोटे–बड़े मंदिर स्थित हैं। प्रत्येक मंदिरों का अपना अलग महत्व है। यहाँ का सती मंदिर, माँता पार्वती जी को समर्पित है। यह मंदिर पुरातन सर्वेक्षण ऑफ इंडिया द्वारा संरक्षित है।

माँई की बगिया–

नर्मदा मंदिर से 1 किलोमीटर की दूरी पर माँई की बगिया स्थित है। यह एक सुन्दर बगिया है जो घने जंगलों के बीच स्थित है। ऐसी मान्यता है कि नर्मदा इस बगिया में फूल तोड़ने के लिए आती थी।

सोनमुड़ा–

बघेलखंड प्रदेश की जीवनरेखा सोन नदी का उद्गम स्थल को सोनमुड़ा के नाम से जाना जाता है। यह पवित्र स्थल अपने सुरभ्य प्राकृतिक रमणीयता के लिये प्रसिद्ध है। यहाँ सूर्यास्त के दृश्य की अनुपम छटा का आनन्द लिया जा सकता है।

भृगुमंडल–

यह पवित्र स्थल अमरकंटक स्टेशन से 3 किलोमीटर की दूरी पर घने जंगलों के मध्य स्थित है। ऐसी मान्यता है कि भृगु ऋषि यहाँ पर अपना ध्यान लगाते थे। यह स्थल बड़ा ही रमणीय एवं पवित्र है। यहाँ रास्ते में दो पवित्र गुफायें चन्डी गुफा एवं पारश्विनायक गुफा का दर्शन अलौकिक है।

कबीर चबूतरा–

संत कबीर भी इस पवित्र स्थल पर कुछ समय गुजारें थें। इस पवित्र स्थल को कबीर चबूतरा के नाम से जाना जाता है।

ज्वालेश्वर महादेव–

यह स्थल पवित्र जोहिला नदी के उद्गम स्थल पर स्थित है। यह मंदिर यहाँ के घने जंगलों के बीच स्थित है। यह स्थल सनसेट–प्वाइंट के नाम से भी जाना जाता है।

कपिलधारा–

अमरकंटक से 8 किलोमीटर की दूरी पर नर्मदा नदी द्वारा सुरभ्य प्रपात की रचना की गई है जिसे कपिलधारा प्रपात कहते हैं। यह प्रपात लगभग 100 फीट गहरा है। यह स्थल महार्षि कपिल ऋषि को समर्पित है।

दुग्ध धारा–

कपिलधारा से 1 किलोमीटर की दूरी पर नर्मदा नदी द्वारा सुरभ्य प्रपात की रचना की गई है

जिस दुग्ध धारा के नाम से जाना जाता है। यहाँ पानी नीचे गिरते हुए दुग्ध धारा से समान श्वेत रंग का दिखाई देता है।

शंभू धारा एवं दुर्गा धारा–

यहाँ के घने जंगलों के बीच दो और सुरभ्य प्रपात स्थित है जिन्हें शंभू धारा एवं दुर्गा धारा के नाम से जाना जाता है।

सर्वोदय जैन मंदिर–

यह सुन्दर मंदिर अमरकंटक में आकर्षण स्थलों में से एक है। इस मंदिर के निर्माण में संगमरमर का प्रयोग किया गया है। मंदिर निर्माण में लोहा एवं सीमेन्ट का प्रयोग नहीं किया गया है।

इसके साथ ही अमरकंटक में अन्य कई मंदिर, आश्रम, इंदिरा गाँधी, राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय एवं रमणीय स्थल है। जिनको देखकर पर्यटक मंत्र–मुग्ध हो जाते हैं।

पर्यटक आगमन–

मध्यप्रदेश राज्य के जिन प्रमुख 14 पर्यटन केन्द्रों की पहचान की गई है उनमें से एक अमरकंटक पर्यटन स्थल प्रमुख है। मध्यप्रदेश राज्य की भाँति अमरकंटक में भी घरेलु पर्यटकों के आगमन की संख्या अधिक पायो गई है। विगत 20 वर्षों के ऑकड़ें के अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि इस पर्यटन केन्द्र में भी 1988–89 से 2018–19 तक घरेलु पर्यटकों की प्रतिवर्ष 6 से 7 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है वहीं विदेशी पर्यटकों की संख्या में मात्र 0.5 से 1 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। विदेशी पर्यटकों के आगमन में नाम मात्र की वृद्धि होने का प्रमुख कारण विदेशी पर्यटकों के लिये आवश्यक आधारभूत बुनियादी सुविधाओं की कमी का पाया जाना पाया गया है।

निष्कर्ष–

मध्यप्रदेश राज्य का अमरकंटक पर्यटन स्थल पर्यटकों के आकर्षण की दृष्टि से एक आदर्श पर्यटक स्थल है। यहाँ पर घरेलु पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हमें बुनियादी सुविधाओं के साथ–साथ आवासीय सुविधाओं का विस्तार, मनोरंजन की सुविधाओं का विस्तार, भोजन की सुविधाओं का विस्तार, आवागमन की सुविधाओं का विस्तार एवं प्रचार–प्रसार की सुविधाओं का विस्तार के बिना पर्यटन का यथोचित विकास नहीं किया जा सकता है।

संदर्भ–

1. Amarkantak Tourist Places in MP, www.mponline.gov.in
2. Kabir Chabutra, C.P.R. Envirnmental Education centre.
3. Bhattacharya P.K. (1977) Historical Geography of Madhya Pradesh from earlier records, pub. Motilal Banrasidas, P-76
4. Chadhar Motilal (2017) Amarkantak Kshtra Ka Parawaibhava, SSDN pub. & Distributer New Delhi.